किन्नू से मधु की उड़ान

सुरेन्द्र कुमार
गांव: पक्का भादवा, जिला: हनुमानगढ़ (राजस्थान)
मोबाइल-7877160943

कृषिगत आय बढ़ाने के लिए किसान स्वयं प्रोत्साहित हो रहे है। खेती के साथ-साथ सहायक उद्यम भी अपना रहे है। ऐसे ही किसान है सुरेन्द्र कुमार, जो बागवानी से आय को ठोस आधार तैयार करने के बाद अब मधुमक्खी पालन से जुडे है। उनका कहना है कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए किसान को कृषि के नये तरीके सीखना जरूरी हो गया है। छोटे किसान के लिए रबी-खरीफ फसल पर भरोसा करके बैठना नुकसान के सिवाय कुछ नहीं है। गौरतलब है कि यह किसान सालाना 5-6 लाख रूपए की सालाना आय ले रहा है।

अगर नापना चाहो मेरी उड़ान को, थोड़ा ऊंचा कर दो इस आसमान को। ऐसा ही हौसला मन में भरकर सफलता की उड़ान पर है किसान सुरेन्द्र कुमार, जो किन्नू की खेती में सफल होने के बाद आय बढ़ोत्तरी के लिए मधुमक्खी और पशुपालन का कार्य कर सालाना 5-6 लाख रूपए का शुद्ध लाभ ले रहे है। पक्का भादवा गांव से ताल्लुक रखने वाले इस किसान ने 12 वीं पास करने के बाद परिवार की आर्थिक स्थितियों को देखते हुए आगे की पढाई नहीं की। पिताजी के साथ खेती करना शुरू कर दिया। गौरतलब है कि इस किसान ने वर्ष 2011 के बाद कृषि नवाचार का सिलसिला शुरू किया था। पारिवारिक बंटवारे के बाद हिस्से आय 13 बीघा कृषि भूमि से परिवार का खर्च चलाना एक चुनौति था। इस चुनौति से निपटने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र संगरिया से वर्ष 2006 में मधुमक्खी पालन और डेयरी का प्रशिक्षण लिया। लेकिन, पारिवारिक परिस्थितियों के चलते मधुमक्खी पालन शुरू करना संभव नहीं हुआ। घरेलू पशुधन के सहारे पशु डेयरी शुरू की। लेकिन, ज्यादा लाभकारी साबित नहीं होने के चलते वर्ष 2011 में इधर-उधर से पैसों का जुगाड़ कर 10 बीघा क्षेत्र में किन्नू का बगीचा स्थापित किया। अब यह बगीचा सालाना 4 लाख रूपए का मुनाफा दे रहा है। सिंचाई के लिए ट्यूबवैल है। साथ ही, सौलर पम्प और

ड्रिप लगाई हुई है। परम्परागत फसल में हरा चना और मूंग की फसल बगीचे के मध्य कर रहा हूँ। हरे चने से 50 क्विटंल चने का उत्पादन मिल जाता है। प्रति किलो 20 रूपए के भाव मिल जाते है।

किन्नू का बगीचा

10 बीघा क्षेत्र में संतरे का बगीचा स्थापित है। शुरूआती सालो में 2 लाख रूपए की आमदनी बगीचे से मिली। लेकिन, अब उत्पादन बढ़ चुका है। अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि किन्नू की खेती में स्वयं द्वारा विपणन करने से अच्छा उत्पादन को ठेके पर बिक्री करना है। गत वर्ष बगीचे से 4 लाख रूपए की आय हुई है। बगीचे की सिंचाई ड्रिप से कर रहा हूं।

मीठी उड़ान

गत दो साल से मधुमक्खी पालन का कार्य कर रहा हूँ। 75 बक्से मेरे पास है। इससे सालाना 1 लाख रूपए की आय मिल रही है। मधुमक्खी पालन के लिए दूसरे शहर भी जाना पड़ता है। क्योंकि, जिले में उद्यानिकी फसलों का दायरा कम है।

सब्जी उत्पादन लाभकारी

उन्होंने बताया कि किन्नू का बगीचा सब्जी उत्पादन की देन है। यदि छोटे किसान सब्जी उत्पादन का कार्य करे तो तकदीर संवरते समय नहीं लगता। मैने भी आय बढ़ोत्तरी के लिए सबसे पहले सब्जी उत्पादन करना शुरू किया। लेकिन, अब मधुमक्खी पालन से जुड़ चुका हूँ। इस कारण सब्जी उत्पादन करना बंद कर दिया है। साथ ही, बगीचा बढ़ा हो चुका है। सब्जी में लगने वाले कीट से फलों को भी नुकसान होने का डर रहता है।

उन्नत पशुपालन

पशुधन के रूप में मेरे पास 10 गाय है। प्रतिदिन 60 किलो दुग्ध का उत्पादन मिल जाता है। दुग्ध का विपणन 22 रूपए प्रति किलो की दर से डेयरी को कर रहा हूँ। इससे प्रतिमाह 15-20 हजार रूपए की आमदनी हो जाती है। गोबर का उपयोग बगीचें में करता हूँ। मिट्टी को भरपूर गोबर खाद मिलने से रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल कम करना पड़ता है। गौरतलब है कि डेयरी का सारा कार्य अब इस किसान की धर्मपत्नी संभाल रही है।

साभार हलधर टाइम्स। वर्ष 12। अंक 32। 12-18 जून 2017